Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ -4

जाति धर्म, लैगिंक मसले

याद रखने योग्य बाते :-

(1) श्रम का लैंगिक विभाजन :- काम के बंटवारे का वह तरीका जिसमें घर के अन्दर के सारे काम परिवार की औरते करती है।

(2) पितृ-प्रधान :- ऐसी व्यवस्था जहाँ महिलाओं की तुलना में पुरूष को ज्यादा महत्व और शक्ति प्राप्त होती है।

(3) जाति :- लोगों का समूह या परिवार जिसका निर्धारण उनके व्यवसाय के आधार पर किया गया है।

(4) नारीवादी :- समाज के वे लोग जो महिलाओं और पुरूषों के समान अधिकारों एवं अवसरों में विश्वास रखते है।

(5) पारिवारिक कानून :- विवाह, तालाक, गोद लेने तथा उत्तराधिकार जैसे परिवार जुड़े मसलो से सम्बन्धित कानून।

(6) शहरीकरण :- ग्रामीण इलाकों को छोड़कर लोगों का शहरों में जा कर बसना।

(7) व्यावसायिक परिवर्तन :- जब कोई व्यक्ति एक व्यवसाय को छोड़कर दूसरा व्यवसाय करने लगता है जिसको उसके पूर्वजो ने कभी नहीं किया।

(8) धर्म निरपेक्ष राज्य :- वह राज्य जिसमें सभी धर्मो को समान महत्व दिया जाता है और प्रत्येक व्यक्ति को कोई भी धर्म अपनाने की स्वतंत्रता होती है।

(9) जातिवाद :- उच्च जाति और निम्न जाति के बीच सामाजिक तनाव को जातिवाद कहते है।

(10) साम्प्रदायिकता :- अपने धर्म को दूसरों के धर्मो से श्रेष्ठ मानने की मानसिकता को साम्प्रदायिका कहते है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

बहुविकल्पी प्रश्न

(1) निम्नलिखित में किन आदर्शो पर साम्प्रदायिक राजनीति आधारित है?

(क) एक धर्म को अन्य धर्मो से बेहतर मानना।

(ख) धर्म के आधार पर वोट बैंक का निर्माण करना।

(ग) राजनैतिक दलों द्वारा जातिगत रूढ़िवादिता को बढ़ावा देना।

(घ) उपरोक्त सभी

(2) निम्न में से किस देश में महिलाओं की सार्वजनिक जीवन में सहभागिता सर्वाधिक है?

(क) स्कैंडेनिवियन (ख) अफ्रीका देश (ग) एशिया देश (घ) उपरोक्त सभी

(3) 2001 जनगणना के अनुसार भारत में महिलाओं की साक्षारता दर क्या है?

(क) 50 प्रतिशत (ख) 60 प्रतिशत (ग) 28 प्रतिशत (घ) 54 प्रतिशत

(4) निम्न में कौन सा कथन धर्म और राजनीति के संबंध में गाँधी जी के विचारो को प्रदर्शित करता है?

(क) राजनीति केवल धर्म से प्रेरित होनी चाहिए।

(ख) धर्म को राजनीति से पहले रखना चाहिए।

(ग) राजनीति धर्म द्वारा स्थापित मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए।

(घ) उपरोक्त में से कोई नही।

(5) धर्म के आधार पर भेदभाव न करने वाले व्यक्ति को क्या कहते है?

(क) साम्प्रदायिक (ख) धर्मनिरपेक्ष (ग) जातिवादी (घ) नारीवादी

(6) निम्न में से भारत के लिए किस प्रकार का विभाजन अप्रत्याशित है?

(क) लैगिंक विभाजन (ख) जातिगत विभाजन (ग) आर्थिक विभाजन (घ) धार्मिक विभाजन

(7) प्राचीन काल में स्त्रियाँ ..... तक ही सीमित हुआ करती थी?

(क) दफतर तथा स्कूल (ख) खेत तथा खलिहान (ग) घर की चार दीवारी (घ) उपरोक्त में कोई भी ठीक नहीं

(8) निम्न में से किसका आशय लिंग विभाजन से है?

(क) समाज द्वारा पुरूष तथा महिलाओं के लिए निर्धारित असमान भूमिका

(ख) पुरूष तथा महिला की जैविक बनावट

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ग) पुरूष तथा श्रमिक एवं महिला श्रमिकों के बीच विभाजन

(घ) बालव एवं बालिकाओं का अनुपात

(9) उस प्रक्रिया को क्या कहते है जिसमें लोग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन करते है?

(क) ग्रामीकरण (ख) नगरीकरण (ग) आधुनिकीकरण (घ) पश्चिमीकरण

(10) औरत और मर्द के समान अधिकारों और अवसरों में विश्वास करने वाली महिला या पुरूष को कहा जाएगा।

(क) साम्यवादी (ख) समाजवादी (ग) नारीवादी (घ) सम्प्रदायवादी

(11) इसमें से कौन-सा एक तथ्य पारिवारिक कानूनों के अन्तर्गत नही आता?

(क) विवाह से सम्बन्धित मसले (ख) तलाक से सम्बन्धित मसले

(ग) बच्चा गोद लेने सम्बन्धित मसले (घ) चोरी डाके सम्बन्धित मसले

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/4 अंक)

1. जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नही हो सकते कारण लिखो?
2. भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है कारण बताओं?
3. कौन से तीन प्रावधान भारत को धर्म निरपेक्ष देश बनाते है?
4. साम्प्रदायिकता और जातिवाद में क्या अन्तर है?
5. भारत सरकार ने नारी असमानता को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए है?
6. लिंग विभाजन क्या है?
7. साम्प्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूपों का वर्णन करो?
8. अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियों की विशेषताएँ लिखो? देश की आबादी में उनके प्रतिशत क्या है?

बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर

(1) (घ) उपरोक्त सभी

(2) (क) स्कंडेनेवियन

(3) (घ) 54 प्रतिशत

(4) (ग) राजनीति धर्म द्वारा स्थापित मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए

(5) (ख) धर्मनिरपेक्ष

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(6) (ख) जातिगत विभाजन

(7) (ग) घर की चारदीवारी

(8) (क) समाजद्वारा पुरूष तथा महिलाओं के लिए निर्धारित असमान भूमिका

(9) (ख) नगरीकरण

(10) (ग) नारीवादी

(11) (घ) चोरी डाके सम्बन्धित मसले।

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

उत्तर 1 :- (1) किसी एक संसदीय चुनाव में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत नही होता।

(2) कई बार एक ही जाति का उम्मीदवार सफल हो जाता है लेकिन दूसरी बार वह हट जाता है।

(3) जाति के अलावा सरकार का काम और नेताओं की लोकप्रियता भी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उत्तर 2 :- (1) भारत की महिलाओं में शिक्षा का अभाव होने के कारण राजनीतिक जागरूकता कम है।

(2) पुरूष सदस्य अभी भी महिलाओं को आगे नहीं आने देते।

(3) भारत में राजनीतिक दल महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपात में चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी हेतु टिकट नहीं दे रहे हैं।

उत्तर 3 :- (1) भारतीय संविधान ने किसी भी विशेष धर्म को राजकीय धर्म के रूप में स्वीकार नही किया।

(2) भारतीय संविधान सभी नागरिकों और समुदायों के किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने का अधिकार देता है।

(3) भारतीय संविधान धर्म पर आधारित भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है।

उत्तर 4 : साम्प्रदायिकता :- (1) जब एक सम्प्रदाय अपने को दूसरे सम्प्रदाय से श्रेष्ठ समझने लगता है

(2) जो लोकतंत्र के मार्ग में एक बड़ी बाधा उत्पन्न करती है।

जातिवाद :- जातिवाद वह भावना है जिससे प्रेरित होकर ऊँची जाति के लोग निम्न जाति के लोगों का शोषण करते है।

(2) इससे भी लोकतन्त्रीय शासन व्यवस्था और समाज प्रभावित होता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर 5 :- (1) दहेज को अवैध घोषित कर दिया गया दहेज लेना और देना दोनो दण्डनीय अपराध है।

(2) कानून बनाकर परिवार सम्पत्ति में औरतों को बराबर का हक दे दिया गया है।

(3) शिक्षा प्रसार के लिए उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए विशेष प्रावधान किए जा रहें है।

उत्तर 6 :- (1) लिंग विभाजन समाज द्वारा पुरूष और स्त्रियों को निर्धारित किये अलग-अलग कार्यो से है।

(2) स्त्रियों को गृह कार्य या परिवार से संबंधित कार्य जैसे बच्चों का पालन-पोषण खाना पकाना, सफाई, गाँवो में खेतों में काम करना आदि।

(3) पुरूष घरों से बाहर आय पैदा करने के काम और सार्वजनिक कार्यो को करते है।

उत्तर 7 :- (1) कट्टर पन्थी विचारधारा वाले लोग

(2) राजनीति में एक धार्मिक समाज की प्रधानता का प्रयास

(3) साम्प्रदायिक दिशा में राजनीति की गतिशीलता

(4) साम्प्रदायिक हिंसा और खून खराबा

उत्तर 8 :- अनुसूचित जातियाँ :- जो दलितों के रूप में मानी जाती है। जो हिन्दु सामाजिक व्यवस्था में उच्चजातियों से अलग और अछूत मानी जाती हैं।

अनुसूचित जनजातियाँ :- इन जातियों को अक्सर आदिवासी माना जाता है ये सामान्यता पहाड़ियों और जंगलों में जीवन व्यतीत करते है।

अनुसूचित जातियों का प्रतिशत 16.2 प्रतिशत भाग था अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत 8.2 भाग था।

Downloaded from www.studiestoday.com